**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## गाजरघास को पंतनगर से पूर्णतः हटाने का लिया संकल्प

पन्तनगर। 22 अगस्त 2024। विश्वविद्यालय में निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन की अध्यक्षता में आज गाजरघास जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह नॉरमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र पर आयोजित किया गया। परियोजनाधिकारी डा. एस. पी. सिंह ने बताया कि आज से 15 वर्ष पूर्व हमारे प्रदेश के पहाड़ी जिलों में गाजरघास बहुत कम दिखाई देती थी लेकिन आज हमारे जंगलों, रास्तों तथा फसलों मे भी गाजरघास पहुंच चुकी है जोकि बहुत ही चिंता की बात है इस घास की वजह से हमारी प्राकृतिक संपदा, उत्तराखण्ड की जैवविविधता संकट में है। यह घास न केवल फसलों को नुकसान पहुॅचा रही अपितु हमारे जंगलों को भी खत्म कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न स्थानों जैसे कि पंतनगर, हरिपुर बच्ची तथा परमा गॉव पर कार्यक्रम आयोजित कर गाजरघास से होने वाले नुकसान एवं इसके प्रबंधन की जानकारी दी तथा सभी से अपील की वह अपने आस–पास के लोगों से भी जरूर चर्चा करे गाजरघास को कहीं पनपने न दें।

गाजरघास जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ अधिष्ठाता कृषि डा. शिवेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुसंधानों के संयुक्त निदेशक एवं सहनिदेशक, सस्य विज्ञान विभाग के प्राध्यापक एवं फ्रांस के लगभग 20 विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसी क्रम में 17.08.24 को व्यवहारिक फसलोत्पादन प्रक्षेत्र (पी.सी.पी.) पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, डा. रोहिताश्व सिंह ने की, जिसमें परियोजना में कार्यरत कर्मिक कृषि स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी0 एच0 डी0 डिग्री प्रोग्राम के लगभग 80 विद्यार्थियों एवं पी.सी.पी. पर कार्यरत सभी 15 कर्मिक तथा कृषि श्रमिकों सहित 40 अन्य कर्मचारी ने भाग लिया। तृतीय दिवस का कार्यक्रम विश्वविद्यालय के स्थानीय बाजार में लिफलेट बॉटकर लोगों को गाजरघास के प्रति जागरूक किया। चौथे दिन नॉरमन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केन्द्र के मौसम विज्ञान बेधशाला में किया गया जिसमें उपस्थितजनों द्वारा गाजरघास का उन्मूलन किया गया। गाजरघास जागरूकता सप्ताह के पाचवें दिन ग्राम हरिपुर बच्ची, जिला नैनीताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 100 से अधिक किसानों को गाजरघास के प्रति जागरूक किया। जिसकी अध्यक्षता परियोजनाधिकारी डा. एस.पी. सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापक डा. तेज प्रताप ने की। गाजरघास जागरूकता सप्ताह के छठे दिन ग्राम परमा, जिला नैनीताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 80 से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। परियोजना के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. तेज प्रताप ने बताया कि गाजरघास मनुष्यों एवं पशुओं दोनों के लिए ही हानिकारक है हमें इसको समाप्त कराने का बेड़ा उठाना होगा। इस जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. डिग्री प्रोग्राम के विद्यार्थियों के मध्य क्वीज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें अवतार सिंह, स्नातकोत्तर, सस्य विज्ञान विभाग ने प्रथम, प्रान्जल शर्मा, पी.एच. डी., सस्य विज्ञान विभाग द्वितीय एवं पारस आर्या, स्नातकोत्तर, सस्य विज्ञान विभाग ने ततृीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को निदेशक शोध द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं प्रताप कोल्हे स्नातकोत्तर, सस्य विज्ञान विभाग को विशेष रूप प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सस्य विज्ञान के प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डा. एम.एस. पाल द्वारा परियोजना के प्रतिनिधियों की सराहना करते हुए सभी वैज्ञानिकों एवं विशेषकर छात्रों से अनुरोध किया गया कि समाजिक स्तर की जागरूकता से ही हम सभी को गाजरघास के अभिशाप से मुक्त कर पायेगें।

डा. एस. के. वर्मा संयुक्त निदेशक, फसल अनुसंधान केन्द्र ने कहा कि हम गाजरघास को अपने केन्द्र से पूर्णतः समाप्त करने का संकल्प लेते है। निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन ने बताया कि गाजरघास से समूल मुक्ति के लिए प्रत्येक शनिवार को विश्वविद्यालय सभी अनुसंधान केन्द्रों पर चलाया जायेगा। गाजरघास को विभिन्न विधियों हटाने की प्रक्रिया की जायेगी यह कार्यक्रम पूरे वर्ष चलता रहेगा जबतक अपने परिसर से पूर्णतः समाप्त न करे ले। कार्यक्रम का संचालन डा. विनीता राठौर, सह प्राध्यापक, सस्स विज्ञान विभाग ने किया तथा सभी को इस कार्यक्रम मे सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

*1. कृषकों को सम्मानित करते निदेशक शोध डा. अजीत सिंह नैन एवं अन्य अधिकारी।*

निदेशक संचार